विश्व हिन्दी परिषद

हिन्दी भाषा विश्व भाषा

वसुधैव कुटुम्बकम्

विकसित भारत अभियान

1947 TO 2047

हिंदी के स्वर्णिम भविष्य व महर्षि अरविंद के विचारों पर विश्व हिंदी परिषद ने किया अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन

विश्व हिंदी परिषद

द्वारा आयोजित

अन्तरराष्ट्रीय हिंदी सम्मेलन

25–26 जुलाई, 2024

एनडीएमसी सभागार, कनॉट प्लेस, नई दिल्ली

विश्व हिंदी परिषद द्वारा नई दिल्ली में अन्तरराष्ट्रीय हिंदी सम्मेलन का भव्य आयोजन

अंतरराष्ट्रीय हिंदी सम्मेलन के सुअवसर पर प्रकाशित स्मारिका का विमोचन करते मिजोरम के महामहिम राज्यपाल डॉ कंभमपति हरीबाबू जी, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं वरिष्ठ सांसद श्री फग्गन सिंह कुलस्ते जी, विश्व हिंदी परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद्मश्री, पद्मभूषण आचार्य यार्लगड्डा लक्ष्मी प्रसाद जी, लोकसभा सांसद श्रीमती कमलेश जांगड़े जी, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक श्री रवि कुमार अय्यर जी, उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय, भारत सरकार के अपर सचिव श्री शांतमनु जी, विश्व हिंदी परिषद के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री देवी प्रसाद मिश्र जी, सम्मेलन संयोजिका प्रो. संध्या वात्स्यायन जी और विश्व हिंदी परिषद के राष्ट्रीय महासचिव डॉ विपिन कुमार जी

सत्यमेव जयते

प्रधान मंत्री
Prime Minister

नई दिल्ली
आषाढ़ 10, शक संवत् 1946
01 जुलाई, 2024

डॉ. विपिन कुमार जी,

लोकसभा चुनावों में हमारी जीत पर शुभकामनाओं के लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

ये जीत सिर्फ हमारी नहीं, बल्कि दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र, संविधान के प्रति देश की अटूट निष्ठा और सबका साथ, सबका विकास की हमारी भावना की जीत है।

करीब छह दशकों के बाद पहली बार कोई सरकार अपने दो कार्यकाल पूरे करने के बाद तीसरी बार फिर चुन कर आई है। देशवासियों ने एक बार फिर हमारी सरकार पर भरोसा जताकर राष्ट्र निर्माण के हमारे प्रयासों को और मजबूती प्रदान की है।

हम 2047 तक विकसित भारत के निर्माण के जिस महासंकल्प को लेकर आगे बढ़ रहे हैं, देशवासियों के स्नेह, विश्वास एवं आशीर्वाद से उसकी सिद्धि निश्चित है। विकसित भारत के चार स्तंभों गरीबों, युवाओं, किसानों और महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए हम कृतसंकल्पित हैं और इस दिशा में तेजी से कार्य करने में जुट चुके हैं।

भारत के लिए आने वाला दशक अत्यंत महत्वपूर्ण रहने वाला है। यह दशक 140 करोड़ देशवासियों के सपनों और उनकी आकांक्षाओं को पूरा करने वाला होगा। यह दशक विश्व मंच पर भारत की प्रतिष्ठा को और ऊंचाई पर ले जाएगा। मुझे पूर्ण विश्वास है कि देश जन-भागीदारी का नया अध्याय लिखते हुए, विकास के नए शिखर को छुएगा।

आपके एवं आपके परिवार के उत्तम स्वास्थ्य, सुख एवं समृद्धि की कामना के साथ।

आपका,

(नरेन्द्र मोदी)

डॉ. विपिन कुमार
राष्ट्रीय महासचिव, विश्व हिन्दी परिषद
एस- 32, प्रथम तल, उपहार सिनेमा के पास
ग्रीन पार्क
नई दिल्ली- 110016

महर्षि अरविंद के विचारों को अपनाने एवं महर्षि अरविंद के व्यक्तित्व से प्रेरणा लेने का आग्रह किया साथ ही हिंदी प्रेमियों, चिंतको, कवियों और विचारकों के निरंतर प्रयासों की सराहना की।

डॉ हरी बाबू कंभमपति
महामहिम राज्यपाल, मिजोरम

महर्षि अरविंद ने अपने दर्शन से राष्ट्र और राष्ट्रीयता की संकल्पना को एक व्यापक दृष्टिकोण प्रदान किया है। उनका मानना था कि राष्ट्रीयता एक ऐसी आध्यात्मिक शक्ति है जो सदैव विद्यमान रहती है और इसका कभी ह्रास नहीं होता है।

प्रो० सत्यपाल सिंह बघेल
पंचायती राज एवं मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी राज्य मंत्री
भारत सरकार

हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं एवं अपनी संस्कृति के उन्नयन में निरंतर सेवारत तथा हिंदी भाषा को विश्व भाषा बनाने के संकल्प के साथ कार्यरत विश्व हिंदी परिषद द्वारा 25–26 जुलाई, 2024 को एनडीएमसी सभागार, कनॉट प्लेस, नई दिल्ली में महर्षि अरविंद के जीवन एवं कृतित्व पर केंद्रित दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय हिंदी सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस सम्मेलन का विषय "श्री अरविंद रू हिंदी भाषा एवं विकसित भारत'' था। सम्मेलन की शुरुआत 25 जुलाई को उद्घाटन सत्र से साथ हुई जिसकी अध्यक्षता पूर्व राज्यसभा सांसद एवं उद्योगपति श्री आर०के० सिन्हा जी ने की। इस सम्मेलन में देश–विदेश से कई विद्वानों, कवियों और साहित्यकारों ने उपस्थिति दर्ज करवाई। इस अवसर पर महामहिम राज्यपाल, मिजोरम डॉ हरी बाबू कंभमपति जी, भारत सरकार के पंचायती राज एवं मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी राज्य मंत्री, श्री सत्यपाल सिंह बघेल जी, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं वरिष्ठ सांसद श्री फग्गन सिंह कुलस्ते जी, विश्व हिंदी परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद्मश्री, पद्मभूषण आचार्य यार्लगड्डा लक्ष्मीप्रसाद जी, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अंतरराष्ट्रीय प्रचारक श्री रवि अय्यर जी, जद(यू) के राष्ट्रीय महासचिव श्री के०सी० त्यागी जी एवं माननीय राज्यसभा सांसद श्री रामचंद्र जांगड़ा जी, पूर्व केंद्रीय मंत्री श्री सत्यनारायण जटिया जी, लोकसभा सांसद श्री चिंतामणि महाराज जी, लोकसभा सांसद श्रीमती कमलेश जांगड़े जी, रामकृष्ण मिशन आश्रम, दिल्ली के माननीय सचिव स्वामी सर्वालोकनंद जी महाराज, उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय, भारत सरकार के अपर सचिव श्री शांतमनु जी, दिल्ली विश्वविद्यालय के डीन प्रो० बलराम पाणि जी, एनसीईआरटी के अध्यक्ष प्रो० दिनेश प्रसाद सकलनी जी, लखनऊ विश्वविद्यालय के पूर्व प्रो० सूर्यप्रसाद दीक्षित जी, दिल्ली विश्वविद्यालय हिंदी विभाग की अध्यक्ष प्रो० कुमुद शर्मा जी, दिल्ली विश्वविद्यालय हिंदी विभाग के पूर्व प्रो० पूरनचंद टंडन जी, दिल्ली विश्वविद्यालय हिंदी विभाग के प्रो० रामनारायण पटेल जी एवं अन्य अतिथि सम्मिलित हुए।

मंच पर आसीन मुख्य अतिथि भारत सरकार के पंचायती राज एवं मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी राज्य मंत्री, श्री सत्यपाल सिंह बघेल जी, कार्यक्रम के अध्यक्ष पूर्व राज्यसभा सांसद एवं उद्योगपति श्री आर०के० सिन्हा जी, विशिष्ट अतिथि के रूप में जद(यू) के राष्ट्रीय महासचिव श्री के०सी० त्यागी जी एवं माननीय राज्यसभा सांसद श्री रामचंद्र जांगड़ा जी, विश्व हिंदी परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद्मश्री, पद्मभूषण आचार्य यार्लगड्डा लक्ष्मीप्रसाद जी, सम्मेलन संयोजक दिल्ली विश्वविद्यालय की प्रो. संध्या वात्स्यायन एवं सम्मेलन सह संयोजक प्रो. प्रदीप कुमार जी और विश्व हिंदी परिषद के राष्ट्रीय महासचिव डॉ विपिन कुमार जी

अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन के मंच से संबोधित करते हुए माननीय अतिथिगण

अन्तरराष्ट्रीय हिंदी सम्मेलन की अध्यक्षता करते हुए पूर्व राज्यसभा सांसद एवं उद्योगपति श्री आर.के.सिन्हा जी

मंच से संबोधित करते हुए सम्मेलन में विशिष्ट अतिथि के तौर पर आए जद(यू) के प्रधान राष्ट्रीय महासचिव श्री के. सी. त्यागी जी।

विशिष्ट अतिथि के तौर पर आमंत्रित पूर्व केन्द्रीय मंत्री एवं वरिष्ठ सांसद श्री फग्गन सिंह कुलस्ते जी का मंच से संबोधन

अन्तरराष्ट्रीय हिंदी सम्मेलन के मंच से संबोधित करते हुए सम्मेलन में विशिष्ट अतिथि पूर्व केन्द्रीय मंत्री श्री सत्यनारायण जटिया जी

अन्तरराष्ट्रीय हिंदी सम्मेलन में विशिष्ट अतिथि के रूप में आमंत्रित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक श्री रवि कुमार अय्यर जी का मंच से संबोधन

अन्तरराष्ट्रीय हिंदी सम्मेलन में विशिष्ट अतिथि के रूप में आमंत्रित लोकसभा सांसद श्री चिंतामणि महाराज जी मंच से संबोधित करते हुए

विशिष्ट अतिथि के रूप में आमंत्रित रामकृष्ण मिशन आश्रम, दिल्ली के सचिव स्वामी सर्वालोकानंद जी महाराज सम्मेलन के मंच से संबोधित करते हुए

अन्तरराष्ट्रीय हिंदी सम्मेलन के मंच से विश्व हिंदी परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष, पद्मश्री पद्मभूषण, आचार्य यार्लगड्डा लक्ष्मी प्रसाद जी संबोधित करते हुए

अन्तरराष्ट्रीय हिंदी सम्मेलन में विशिष्ट अतिथि के रूप में आमंत्रित लोकसभा सांसद श्रीमती कमलेश जांगड़े जी मंच से संबोधित करते हुए

अन्तरराष्ट्रीय हिंदी सम्मेलन में विशिष्ट अतिथि के रूप में आमंत्रित उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय, भारत सरकार के अपर सचिव श्री शांतमनु जी मंच से संबोधित करते हुए

अन्तरराष्ट्रीय हिंदी सम्मेलन में विशिष्ट अतिथि के रूप में आमंत्रित दिल्ली विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता महाविद्यालय प्रो. बलराम पाणि जी का मंच से संबोधन

मंच से संबोधित करते हुए अन्तरराष्ट्रीय हिंदी सम्मेलन में विशिष्ट अतिथि के रूप में आमंत्रित लाल बहादुर शास्त्री संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. मुरलीमनोहर पाठक जी

अन्तरराष्ट्रीय हिंदी सम्मेलन में विशिष्ठ अतिथियों का सम्मान

"राज्यसभा सांसद श्री रामचन्द्र जांगड़ा जी को सम्मानित करते हुए विश्व हिंदी परिषद के राष्ट्रीय महासचिव डॉ. विपिन कुमार जी"

"राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक श्री रवि कुमार अय्यर जी को सम्मानित करते हुए विश्व हिंदी परिषद के राष्ट्रीय महासचिव डॉ. विपिन कुमार जी एवं किरोड़ीमल महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय के सह आचार्य डॉ. वेद प्रकाश जी"

कवि सम्मेलन में राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त कविगण

श्री विनय विनम्र

श्री सत्येंद्र सत्यार्थी

श्री राजेश श्रीवास्तव

श्रीमती सुनीता शेखावत

श्रीमती मंजूषा रंजन

अन्तरराष्ट्रीय हिंदी सम्मेलन में सांस्कृतिक कार्यक्रम की विशेष प्रस्तुति

अन्तरराष्ट्रीय हिंदी सम्मेलन के सांस्कृतिक कार्यक्रम में दिल्ली विश्वविद्यालय के शोधार्थी राहुल कुमार रजक द्वारा कत्थक नृत्य की विशेष प्रस्तुति के साथ ही कवि सम्मेलन का भव्य आयोजन

अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में आमंत्रित अतिथियों को किया गया सम्मानित

"त्रिनिदाद और टोबैगो के महामहिम राजदूत डॉ. रोजर गोपाल जी को सम्मानित करते हुए विश्व हिंदी परिषद के राष्ट्रीय महासचिव डॉ. विपिन कुमार जी एवं स्वामी श्रद्धानंद कॉलेज के प्रो. प्रदीप कुमार जी"

"भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद के सदस्य सचिव प्रो. सचिदानन्द मिश्र जी को सम्मानित करते हुए विश्व हिंदी परिषद के राष्ट्रीय महासचिव डॉ. विपिन कुमार जी"

"एनसीईआरटी के निदेशक प्रो. दिनेश प्रसाद सकलानी जी को सम्मानित करते हुए विश्व हिंदी परिषद के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री देवी प्रसाद मिश्र जी एवं किरोड़ीमल महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय के सह आचार्य डॉ. वेद प्रकाश जी"

"लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज के निदेशक डॉ. सुभाष गिरि जी को सम्मानित करते हुए विश्व हिंदी परिषद के राष्ट्रीय महासचिव डॉ. विपिन कुमार जी एवं दिल्ली विश्वविद्यालय के पूर्व वरिष्ठ प्रो. पूरनचन्द टंडन जी"

अन्तरराष्ट्रीय हिंदी सम्मेलन के सुअवसर पर देश-विदेश के प्रतिनिधियों से भरा सभाकक्ष

दिल्ली विश्वविद्यालय, हिंदी विभाग के पूर्व वरिष्ठ प्रो. पूरनचन्द टंडन जी को सम्मानित करते हुए केन्द्रीय मंत्री प्रो. एस.पी. बघेल जी, पूर्व केन्द्रीय मंत्री श्री सत्यनारायण जटिया जी एवं विश्व हिंदी परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष आचार्य यार्लगड्डा लक्ष्मी प्रसाद जी

लखनऊ विश्वविद्यालय, हिंदी विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. सूर्य प्रसाद दीक्षित जी को सम्मानित करते हुए विश्व हिंदी परिषद के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री देवी प्रसाद मिश्र जी

श्री अरविंद आश्रम नई दिल्ली से प्रतिनिधि के रूप में आमंत्रित डॉ. अपर्णा रॉय जी को सम्मानित करते हुए सम्मेलन संयोजिका प्रो. संध्या वात्स्यायन जी

अन्तरराष्ट्रीय हिंदी सम्मेलन में किया गया वरिष्ठ पत्रकारों का सम्मान

“न्यूज 18 के वरिष्ठ सम्पादक श्री अमन चोपड़ा जी को सम्मानित करते हुए केन्द्रीय मंत्री प्रो. एस.पी. बघेल जी, पूर्व केन्द्रीय मंत्री श्री सत्यनारायण जटिया जी, विश्व हिंदी परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष आचार्य यार्लगड्डा लक्ष्मी प्रसाद जी एवं विश्व हिंदी परिषद के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री देवी प्रसाद मिश्र जी”

“डीडी न्यूज के सम्पादक श्री रजनीश त्रिपाठी जी को सम्मानित करते हुए केन्द्रीय मंत्री प्रो. एस.पी. बघेल जी, पूर्व केन्द्रीय मंत्री श्री सत्यनारायण जटिया जी, विश्व हिंदी परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष आचार्य यार्लगड्डा लक्ष्मी प्रसाद जी एवं विश्व हिंदी परिषद के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री देवी प्रसाद मिश्र जी”

“डीडी न्यूज के सम्पादक श्री अश्विनी मिश्रा जी को सम्मानित करते हुए केन्द्रीय मंत्री प्रो. एस.पी. बघेल जी, पूर्व केन्द्रीय मंत्री श्री सत्यनारायण जटिया जी, विश्व हिंदी परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष आचार्य यार्लगड्डा लक्ष्मी प्रसाद जी एवं विश्व हिंदी परिषद के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री देवी प्रसाद मिश्र जी”

राजभाषा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए राजभाषा सम्मान

Western Coalfields Limited (WCL)

हिंदी में हस्ताक्षर के लिए वेस्टर्न कॉलफिल्ड लिमिटेड के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री जयप्रकाश द्विवेदी को मिजोरम के महामहिम राज्यपाल डॉ कंभमपति हरीबाबू जी द्वारा किया गया सम्मानित

एन एफ एल NFL

राजभाषा नीति के सर्वोत्तम कार्यान्वयन के लिए एनएफएल को मिजोरम के महामहिम राज्यपाल डॉ कंभमपति हरीबाबू जी द्वारा दिया गया राजभाषा सम्मान

सेल SAIL

स्टील ऑथोरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड, केन्द्रीय विपरण संगठन, कोलकत्ता को गृह पत्रिका के लिए मिजोरम के महामहिम राज्यपाल डॉ कंभमपति हरीबाबू जी द्वारा दिया गया राजभाषा सम्मान

सेल SAIL

स्टील ऑथोरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड, नई दिल्ली को गृह पत्रिका के लिए मिजोरम के महामहिम राज्यपाल डॉ कंभमपति हरीबाबू जी द्वारा दिया गया राजभाषा सम्मान

ONGC एमआरपीएल MRPL

राजभाषा नीति के सर्वोत्तम कार्यान्वयन के लिए एमआरपीएल को राज्यसभा सांसद श्री रामचन्द्र जांगड़ा जी द्वारा दिया गया राजभाषा सम्मान

सम्मेलन कार्यकारिणी सदस्यों का किया गया सम्मान

श्री देवी प्रसाद मिश्र, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, विश्व हिंदी परिषद

डॉ. श्रवण कुमार, सम्मेलन मुख्य समन्वयक, अन्तरराष्ट्रीय हिंदी सम्मेलन

प्रो. दीपमाला, दिल्ली विश्वविद्यालय

डॉ. शीतल, विवेकानंद महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय

डॉ. प्रवीण, सहायक आचार्य, दिल्ली विश्वविद्यालय

डॉ. नीतू गुप्ता, सहायक आचार्य, दिल्ली विश्वविद्यालय

अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन के मंच से संबोधित करते हुए दिल्ली विश्वविद्यालय के शिक्षक

प्रो. पूरनचन्द टंडन, (सेवानिवृत्त) हिंदी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय

प्रो. रमा, प्राचार्य, हंसराज महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय

प्रो. कुमुद शर्मा, हिंदी विभागाध्यक्ष, दिल्ली विश्वविद्यालय

प्रो. संध्या वात्स्यायन, सम्मेलन संयोजिका

प्रो. प्रदीप कुमार, सम्मेलन सह संयोजक

डॉ. वेद प्रकाश, सम्मेलन सह संयोजक

श्री ओमपाल सिंह निडर, पूर्व सांसद एवं प्रख्यात कवि

प्रो. तृप्ता शर्मा, अदिति महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय

प्रो. रामनारायण पटेल, हिंदी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय

प्रो. हर्षबाला, इन्द्रप्रस्थ महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय

डॉ. दीनदयाल, जानकी देवी मैमोरियल कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय

प्रो. प्रतिभा राणा, स्वामी श्रद्धानंद कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय

मीडिया में छाया रहा अन्तरराष्ट्रीय हिंदी सम्मेलन

राष्ट्रीय संस्करण

दैनिक जागरण

मूल्य रु. 10 नई दिल्ली, रविवार, 28 जुलाई, 2024

www.jagran.com पृष्ठ 14

‘हिंदी पूरे देश को जोड़ने वाली महत्वपूर्ण कड़ी’

विश्व हिंदी परिषद की ओर आयोजित अंतरराष्ट्रीय हिंदी सम्मेलन में उपस्थित मिजोरम के राज्यपाल कंभमपाटी हरी बाबू (लाल जैकेट में) व अन्य ● सौ-विश्व हिंदी परिषद

वि., नई दिल्ली : विश्व हिंदी परिषद की ओर से की ओर से एनडीएमसी कन्वेंशन सेंटर में दो दिवसीय अंतराष्ट्रीय हिंदी सम्मेलन का आयोजन किया गया। युग पुरुष महर्षि अरविंदः हिंदी भाषा और विकसित भारत विषय पर आधारित सम्मेलन में मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित मिजोरम के राज्यपाल कंभमपाटी हरी बाबू ने हिंदी प्रेमियों, चिंतकों, कवियों और विचारकों के निरंतर प्रयासों की सराहना की और महर्षि अरविंद के व्यक्तित्व से प्रेरणा लेने का आग्रह किया विश्व हिंदी परिषद के महासचिव विपिन कुमार ने महर्षि अरविंद के ग्रंथों और भारतीयता को एक दूसरे का पूरक बताते हुए हिंदी भाषा को संपूर्ण भारत को जोड़ने वाली सबसे महत्वपूर्ण कड़ी बताया। प्रमुख अतिथियों को गणेश शंकर विद्यार्थी और राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर सम्मान से सम्मानित भी किया गया।

अमर उजाला

27 जुलाई 2024, शनिवार

विश्व हिंदी परिषद द्वारा 25-26 जुलाई 2024 को एनडीएमसी कन्वेंशन सेंटर, नई दिल्ली में दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय हिंदी सम्मेलन का आयोजन किया गया, जिसका विषय "युग पुरुष श्री अरविंद: हिंदी भाषा और विकसित भारत" रहा। इस सम्मेलन की शुरुआत प्रेम रावत के शांति संदेश (वीडियो) से हुई। वीडियो के माध्यम से उन्होंने अपने विचारों को प्रस्तुत किया। इसके बाद वंदे मातरम के साथ कार्यक्रम को आगे बढ़ाया गया।

सम्मेलन की संयोजिका, प्रो. संध्या वात्स्यायन ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए विश्व हिंदी परिषद की भूमिका को स्पष्ट किया और अरविंद के संघर्ष, दर्शन और जीवन यात्रा का परिचय दिया। इस सत्र की अध्यक्षता प्रो. सूर्यप्रसाद दीक्षित, पूर्व विभागाध्यक्ष, हिंदी विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय एवं श्री चिंतामणि महाराज, माननीय सांसद, लोक सभा ने की।

उद्घाटन सत्र की शुरुआत विपिन कुमार, महासचिव विश्व हिंदी परिषद ने अतिथियों का संक्षिप्त परिचय और स्वागत भाषण से की और महर्षि अरविन्द के ग्रंथों और भारतीयता को एक दूसरे का पूरक बताते हुए हिंदी भाषा को संपूर्ण भारत को जोड़ने वाली सबसे महत्वपूर्ण कड़ी बताया। उन्होंने इस सत्र की शुरुआत विशिष्ट अतिथियों के स्वागत से की जिनमें आर. के. सिन्हा, पूर्व सांसद और उद्योगपति और रामचंद्र जांगड़ा, राज्यसभा सांसद, शामिल थे।

मुख्य वक्ता डॉ. अर्पणा राय ने श्री अरविंद के जीवन, महत्वपूर्ण ग्रंथों, आश्रम और साहित्य के बारे में विस्तार से बताया। दीक्षित जी ने श्री अरविन्द के शरीर से परे चेतना, विकासवादी दृष्टिकोण के बारे में विस्तारपूर्वक चर्चा की।

माननीय सांसद जी ने भी अपने गुरु के प्रति श्रद्धा को संजोये रखने पर बल दिया। आरम्भ सत्र के अंत में देवी प्रसाद मिश्र, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष विश्व हिंदी परिषद, ने भारत को जानने के लिए महर्षि अरविंद के विचारों को जानने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा, "अंग्रेज गए, अंग्रेजी जाए, भारतीय भाषाओं का शासन आए" और हिंदी एवं अन्य भारतीय भाषाओं के प्रचार-प्रसार के लिए विश्व हिंदी परिषद के योगदान का उल्लेख किया।

आर. के. सिन्हा ने हिंदी भाषा की महत्ता पर जोर देते हुए कहा कि यदि व्यापार के क्षेत्र में आगे बढ़ना है, तो हिंदी भाषा की शब्दावली का स्पष्ट ज्ञान आवश्यक है। के. सी. त्यागी, राष्ट्रीय प्रधान महासचिव, जदयू ने अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर हिंदी के प्रचार-प्रसार के प्रयासों के लिए पूर्व विदेश मंत्री स्व सुषमा स्वराज जी के योगदान की सराहना की। इसके बाद पी. सी. टंडन, पूर्व विभागाध्यक्ष, हिंदी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, वरिष्ठ पत्रकार अमन चोपड़ा, जयप्रकाश द्विवेदी, और अन्य गणमान्य अतिथियों को सम्मानित किया गया।

माननीय केंद्रीय राज्य मंत्री, पंचायती, मत्स्य पालन एवं डेयरी, प्रोफेसर सत्यपाल सिंह बघेल ने हिंदी के ऐतिहासिक प्रभाव पर प्रकाश डालते हुए बताया कि नवजात शिशु को अंग्रेजी के बजाय हिंदी में शिक्षा दी जानी चाहिए।

दैनिक भास्कर

देश का विश्वसनीय अखबार

नोएडा। वर्ष-15, अंक-40 | सोमवार, 29 जुलाई 2024 | कुल पृष्ठ 20 | मूल्य 6.00 रुपये

झांसी, नोएडा, लखनऊ और देहरादून से प्रकाशित

विश्व हिन्दी परिषद ने किया अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन

● सम्मेलन में राज्यपाल, केंद्रीय मंत्री एवं में कई गणमान्य हस्तियों ने लिया भाग

लालकार ब्यूरो

नोएडा। विश्व हिन्दी परिषद द्वारा एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया, विश्व हिन्दी परिषद द्वारा हाल ही में श्री अरविंद : हिन्दी भाषा और विकसित भारत विषय में एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस सम्मेलन में केन्द्रीय मंत्री एसपी सिंह बघेल, केंद्रीय मंत्री एवं वरिष्ठ सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते, पूर्व राज्यसभा सांसद आरके सिन्हा, पूर्व मंत्री डॉ. सत्यनारायण जटिया, पूर्व सांसद पद्मश्री लक्ष्मी प्रसाद, राज्य सभा सांसद राम चंद्र जांगड़ा, पूर्व सांसद केसी त्यागी, मिजोरम के राज्यपाल कंभमपाटी हरिबाबू जैसे कई गणमान्य हस्तियों के साथ कई शिक्षार्थी भी उपस्थित थे। इस कार्यक्रम के दौरान भारतीय आध्यात्मिक क्रांति के जनक माने जाने वाले महर्षि अरविंद के विचारों को बढ़ावा देने के साथ ही, हिन्दी भाषा की महत्ता पर भी विशेष बल दिया गया। निःसंदेह महर्षि अरविन्द ने अपने दर्शन से राष्ट्र और राष्ट्रीयता की संकल्पना को एक व्यापक दृष्टिकोण प्रदान किया है। उनका मानना था कि राष्ट्रीयता एक ऐसी आध्यात्मिक शक्ति है, जो सदैव विद्यमान रहती है और इसका कभी ह्रास नहीं होता है। वह इसे अपना सच्चा धर्म मानते हुए, ईश्वरीय कार्य की संज्ञा देते थे। वह भारत में एक आदर्श आध्यात्मिक समाज का निर्माण करना चाहते थे। उनका विचार था कि एक पूर्ण समाज की स्थापना अपूर्ण नागरिकों द्वारा नहीं हो सकती है और बिना अध्यात्म के किसी व्यक्ति की पूर्णता ही संभव नहीं है। यही वजह है कि उन्होंने धर्म को ही भारतीय जनतंत्र का मूल बताया। उन्होंने राजनीति व योग को एकीकृत करने के अलावा भारतीय मूल्यों को भी एकीकृत किया। शायद उनमें विविधताओं को समाहित करने की यह क्षमता, उनके व्यक्तिगत जीवन की विविधताओं से प्रेरित थी। महर्षि अरविन्द जिस राष्ट्रवाद की वकालत करते थे, उसमें कोई द्वेष, आक्रमता या खिन्नता नहीं है। वह पूर्ण स्वराज के लिए सेवा और आत्मबलिदान को अनिवार्य मानते थे। हमारे इस सम्मेलन में उनके इन्हीं विचारों को बढ़ावा देने का प्रयास किया गया। इस सम्मेलन के समापन सत्र में सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र, स्मारिका एवं स्मृति चिन्ह भी वितरित किए गए। देश-विदेश से इस सम्मेलन में 250 से अधिक शोधपत्र प्राप्त हुए, जिनमें से 21 शोधपत्रों को सर्वश्रेष्ठ घोषित किया गया। महर्षि अरविंद के विचार केवल भारत की आजादी तक सीमित नहीं थे। वह भारत की स्वाधीनता में विश्व की नैतिक और आध्यात्मिक स्वतंत्रता को अन्तर्निहित मानते थे। उनका विश्वास था कि भारत एक भौगोलिक इकाई के रूप में आध्यात्मिक पूर्णता के लिए सम्पूर्ण विश्व की अगुवाई कर सकता है। उन्हें भारत की सांस्कृतिक परम्पराओं, प्राचीन मूल्यों, पौराणिक ग्रंथों पर बेहद गर्व था। वह रामायण और महाभारत में वर्णित धर्मयुद्ध से प्रभावित थे और उन्होंने उसी प्रकार अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ भारतीय जनमानस को संगठित होकर अपने नैतिक बल द्वारा संघर्ष करने की अपील की। यह कहने की आवश्यकता नहीं है कि आज हमें हिन्दी को एक वैश्विक आयाम देने के लिए एक ऐसी ही रणनीति की आवश्यकता है। क्योंकि, हिन्दी एक ऐसी भाषा है, जो न केवल हमारे देश के आधे से ज्यादा भू-भाग को जोड़ती है, बल्कि यह पूरे विश्व में फैले भारतवंशियों को भी एक-सूत्र में पिरोने का काम करती है। परंतु, आज जब हम पर हर तरफ अंग्रेजियत हावी है, तो हमें याद रखने की आवश्यकता है कि कोई भी भाषा सिर्फ विचारों की अभिव्यक्ति है। यह हमारी क्षमता को परिलक्षित नहीं करती है। यह संवाद का एक ऐसा माध्यम है, जिसके जरिये मानव जाति ने सर्वोच्चता को हासिल किया है, तो आज हमारे सामने सवाल है कि हम अपनी ही भाषा, अपनी ही बोली को लेकर इतनी कुंठित क्यों है? हमें इस मानसिकता से बाहर निकलना होगा और हमारी जो क्षमता है उसमें निखार लाना होगा।

SINCE 1949

दैनिक सांध्यकालीन

ललकार

www.lalkarnews.in

Digital E-paper

विश्व हिन्दी परिषद का अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

हिन्दी के स्वर्णिम भविष्य एवं महर्षि अरविंद के विचारों पर मंथन

वर्षों से राष्ट्र की सेवा में समर्पित

वीर अर्जुन

जिल्द : 40, अंक : 238 पृष्ठ : 12 E-mail : dailyvirarjun@gmail.com Website : www.virarjun.com E-Paper : ww.epapervirarjun.com

R.N.I. No. 511/57 D.L.(C)-05/1270/2024-26 (Posted at Delhi RMS) नई दिल्ली, रविवार, 28 जुलाई, 2024 मूल्य : रु 5.00 प्रभात संस्करण

विश्व हिंदी परिषद का सम्मेलन : हिंदी के स्वर्णिम भविष्य व महर्षि अरविंद के विचारों पर मंथन

भारत वार्ता

विश्व हिंदी परिषद का अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन: हिंदी के स्वर्णिम भविष्य एवं महर्षि अरविंद के विचारों पर मंथन

सोशल मीडिया पर की माननीय अतिथियों ने अन्तरराष्ट्रीय हिंदी सम्मेलन की प्रशंसा

S.P.Singh Baghel
25 July at 03:32

आज माननीय केंद्रीय राज्य मंत्री प्रो एस पी सिंह बघेल जी अंतरराष्ट्रीय हिंदी सम्मेलन एनडीएमसी कन्वेंशन सेंटर, नई दिल्ली में सम्मिलित हुए । यह आयोजन विश्व हिंदी परिषद द्वारा किया गया । इस सम्मेलन का मुख्य विषय "युग पुरुष श्री अरविन्द: हिंदी भाषा और विकसित भारत" रहा ।

इस अवसर पर माननीय मंत्री जी ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय हिंदी सम्मेलन का उद्देश्य हिंदी भाषा के महत्व और उसके विकास में श्री अरविन्द के योगदान को उजागर करना है। श्री अरविन्द एक महान दार्शनिक, कवि और स्वतंत्रता सेनानी थे, जिन्होंने भारतीय संस्कृति और भाषा को नए आयाम दिए। इस सम्मेलन में विद्वानों और भाषाविदों ने हिंदी भाषा के वर्तमान स्थिति और भविष्य की संभावनाओं पर विचार-विमर्श किया। सम्मेलन का लक्ष्य हिंदी भाषा को वैश्विक स्तर पर प्रतिष्ठित करना और इसे विकसित भारत की महत्वपूर्ण धरोहर के रूप में प्रस्तुत करना है।

इस कार्यक्रम में
श्री के सी त्यागी जी (पूर्व सांसद /मुख्य प्रवक्ता जेडीयू)
,डॉ. वाई. लक्ष्मी प्रसाद (पद्मश्री)
, श्री सत्यनारायण जटिया (भू. पू. मंत्री)
, श्री रामचन्द्र जांगड़ा (सांसद)
, श्री आर.के. सिन्हा (भू. पू. सांसद)
, श्री प्रो. विपिन कुमार (सचिव) उपस्थित रहे ।

RK Sinha
25 July at 08:46

बृहस्पतिवार २५, जुलाई की दोपहर दिल्ली के एनडीएमसी सभागार जंतर - मंतर , नई दिल्ली में विश्व हिन्दी परिषद ने महर्षि अरविंद को समर्पित एक कार्यक्रम रखा जिसकी अध्यक्षता मैंने की । समारोह के मुख्य अतिथि भारत सरकार के पशु कल्याण , डेयरी , पंचायती राज और मछली पालन राज्य मंत्री श्री एस ० पी ० सिंह बघेल थे । विशिष्ट अतिथियों में भारत सरकार के पूर्व कैबिनेट मंत्री डॉ० सत्यनारायण जटिया, पूर्व सांसद पद्मश्री लक्ष्मी प्रसाद जी ,राज्य सभा सांसद श्री राम चंद्र जांगड़ा और जदयू नेता और पूर्व सांसद के० सी० त्यागी जी थे ।हॉल खचाखच भरा था । बड़ी संख्या में हिन्दी प्रेमियों के समागम को देखकर प्रसन्नता हुई ।

यह जानकारी पहले नहीं देय पाया क्योंकि, Prabhat Jha जी के निधन के कारण मन भी विचलित हो गया था और व्यस्तता भी बढ़ गई थी।🙏🙏🙏

Faggan Singh Kulaste
26 July at 06:49

आज एनडीएमसी कन्वेंशन सेंटर में आयोजित दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय हिंदी सम्मेलन में विशिष्ट अतिथि के रूप में सम्मिलित हुआ।

Narendra Modi J.P.Nadda Amit Shah BJP4Mandla BJP Madhya Pradesh Bharatiya Janata Party (BJP)

National Fertilizers Limited
27 July at 09:23

एन एफ एल को मिला राजभाषा पुरस्कार

एनएफएल को नई दिल्ली में आयोजित विश्व हिंदी सम्मेलन के दौरान कार्यस्थल पर हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए #राजभाषा #पुरस्कार प्रदान किया गया है। दो दिवसीय इस सम्मेलन का आयोजन विश्व हिंदी परिषद द्वारा किया गया था।

मिजोरम के माननीय राज्यपाल, महामहिम डॉ. हरिबाबू कंभमपति ने इस अवसर पर यह पुरस्कार प्रदान किया। समारोह में माननीय सांसदों, शिक्षविदों और हिंदी विद्वानों के अलावा काफी संख्या में भाषा प्रेमियों ने भी भाग लिया।

श्री संजीव रणदेव, महाप्रबंधक (मानव संसाधन) और श्री दौलत सिंह खाती, सहायक प्रबंधक (राजभाषा), एनएफएल ने पुरस्कार प्राप्त किया।

एनएफएल संगठन में विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से अपनी इकाइयों और कार्यालयों में राजभाषा के उपयोग को लगातार बढ़ावा दे रहा है।

छायाचित्र:
बाएं से - डॉ बिपिन कुमार, विश्व हिंदी परिषद के राष्ट्रीय महासचिव, श्री फग्गन सिंह कुलस्ते, माननीय सांसद एवम् पूर्व केंद्रीय मंत्री, विश्व हिंदी परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री यार्लागड्डा लक्ष्मी प्रसाद, श्री संजीव रणदेव, महाप्रबंधक, एन एफ एल, मिजोरम के माननीय राज्यपाल, महामहिम डॉ. हरिबाबू कंभमपति, श्री दौलत सिंह खाती, सहायक प्रबंधक, एन एफ एल, श्रीमती कमलेश जांगड़े, माननीय सांसद, छत्तीसगढ़, श्री रवि कुमार, वरिष्ठ प्रचारक, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ

एनडीएमसी सभागार, नई दिल्ली में अंतरराष्ट्रीय हिंदी सम्मेलन का सफल आयोजन विश्व हिंदी परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद्मश्री, पद्मभूषण आचार्य यार्लगड्डा लक्ष्मी प्रसाद जी के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में किया गया। इस सम्मेलन में देश-विदेश के हजारों लोगों ने प्रतिभागी के तौर पर उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाया।

अंतरराष्ट्रीय हिंदी सम्मेलन 'श्री अरविंद: हिंदी भाषा और विकसित भारत' विषय पर आयोजित किया गया था। सम्मेलन में श्री अरविंद के जीवन दर्शन, कृतित्व, राष्ट्रीय चेतना एवं हिंदी भाषा, साहित्य, संस्कृति और आधुनिकता पर विभिन्न विषयों पर सत्र आयोजित किए गए। इन सत्रों में देश-विदेश के जाने-माने विद्वानों ने अपने विचार रखे।सम्मेलन का उद्घाटन केन्द्रिय मंत्री प्रो. एस. पी. बघेल जी ने किया। सम्मेलन में विभिन्न देशों के हिंदी प्रेमियों ने भी भाग लिया। यह सम्मेलन हिंदी भाषा के लिए एक महत्वपूर्ण आयोजन था। इस सम्मेलन ने हिंदी भाषा के प्रचार-प्रसार और विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया। इस सम्मेलन के सफल आयोजन के लिए विश्व हिंदी परिषद नई दिल्ली की ओर से पद्मश्री, पद्मभूषण आचार्य यार्लगड्डा लक्ष्मी प्रसाद जी को हार्दिक बधाई।

-पद्मश्री, पद्मभूषण आचार्य यार्लगड्डा लक्ष्मी प्रसाद जी,
राष्ट्रीय अध्यक्ष, विश्व हिंदी परिषद

''महर्षि अरविंद के ग्रंथ और भारतीयता एक दूसरे के पूरक हैं। हिंदी भाषा संपूर्ण भारत को जोड़ने वाली सबसे महत्वपूर्ण कड़ी है। महर्षि अरविंद जिस राष्ट्रवाद की पक्षधर थे, उसमें कोई द्वेष या खिन्नता नहीं है। वह पूर्ण स्वराज के लिए सेवा और आत्मबलिदान को अनिवार्य मानते थे। हमारे इस सम्मेलन में उनके इन्हीं विचारों को बढ़ावा देने का प्रयास किया गया है। इस अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के आयोजन के पीछे हिंदी भाषा व हिंदी सेवियों के मध्य एक मजबूत पुल खड़ा करना हमारा मुख्य ध्येय है। हमें आशा ही नहीं पूर्ण विश्वास है की हिंदी हमारी राष्ट्रभाषा के रूप में प्रतिष्ठित होगी साथ ही यह एक विश्व भाषा भी बनेगी।

-डॉ. बिपिन कुमार जी, राष्ट्रीय महासचिव, विश्व हिन्दी परिषद

अन्तरराष्ट्रीय हिंदी सम्मेलन-2024 का शानदार समापन

देश के विभिन्न राज्यों के भिन्न-भिन्न विश्वविद्यालयों के विद्वान शिक्षकों एवं प्रतिभागियों का सम्मान

विश्व हिंदी परिषद
एस.32, प्रथम तल, उपहार सिनेमा व्यवसाय परिसर, ग्रीन पार्क एक्सटेंशन, नई दिल्ली-110016, फोन: 011-35940037
vishwahindiparishadoffice@gmail.com @vishwahindiparishad http://www.vishwahindiparishad.org/
85860 16348